वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रणव कुमार मुखर्जी) : (क) एक रुपये की मांग में हर हाल होने वाली वृद्धि को पूरा करने के लिए एक-एक रुपये के सिक्के तैयार करने का प्रस्ताव है । इसके मैले करेंसी नोटों के स्थान पर नये नोट छापे जायेंगे ।

(ख) और (ग). यद्यपि एक रुपये के नोट को तैयार करने पर जो लागत आती है वह एक रुपये का सिक्का तैयार करने की लागत से कहीं कम होती है । लेकिन नोट की तुलना में सिक्का कहीं अधिक टिकाऊ होता है । अतः जब सिक्के की लागत को उस लम्बी अवधि के हिसाब से देखा जाय तो वह अन्ततः नोट की लागत से कहीं कम बैठती । इसके अलावा सिक्का तैयार करने से हर साल गंदे नोटों को बदलने और उससे सम्बद्ध कामों की कठिनाइयों से बिल्कुल बचा जा सकता है जिसके कारण भारतीय रिजर्व बैंक को बहुत बड़ा अमला रखना पड़ता है और बान्टों के निर्माण पर पूंजी खर्च करनी पड़ती है व नोटों की जांच करने के लिए जांच विभाग खोलने पड़ते हैं ।

(घ) जहां तक सिक्योरिटी पेपर मिल, होशंगाबाद द्वारा सप्लाई किये जाने वाले कागज की क्वालिटी का सम्बन्ध है, कागज की मजबूती और फिनिश के मामले में यह क्वालिटी किसी विदेशी कागज से घटिया नहीं है । नोटों की छपाई में जो स्याहियां इस्तेमाल की जाती हैं उनकी रोशनी से फीका पड़ने और भौतिक तथा रासायनिक प्रभाव को रोकने के सम्बन्ध में अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार बड़ी बड़ी जांच की जाती है ।

नोटों से नम्बर में होने वाली गलती से बचने के लिए नासिक प्रैस में जांच- पड़-ताल के तरीके को और कड़ा बना दिया गया है । नासिक प्रैस में नम्बर लगाने वाली पुरानी मशीनों की जगह पर रोटरी किस्म की नम्बर लगाने वाली नयी मशीनें लगायी जा रही हैं, देवास के नये प्रैस में छपाई की जो नयी मशीनें लगायी गयी हैं, उनमें नम्बर लगाने वाली रोटरी किस्म की नयी मशीनें पहले से ही लगी हैं ।

Scheme formulated by S.T.C. for equitable distribution of imported Raw Material for Chemical Industry

6075. SHRI BHAGIRATH BHANWAR: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether any new scheme has been formulated by the State Trading Corporation for the fair and equitable distribution of imported raw material for the chemical industry; and

(b) if so, the broad outlines thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) and (b). No new scheme as such has been launched. Appropriate adjustments under the existing scheme have been made from time to time.

Export of Cement to Iran through S.T.C.

6076. DR. LAXMINARAIN PANDEYA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether a consignment of cement exported to Iran in the year 1974-75 has been returned back finding the cement to be below standard;

(b) the names of industries the products of which have been exported to Iran and the action taken against those responsible for this type of production and despatch to Iran; and

(c) the loss incurred by the State Trading Corporation in this transaction and who is responsible therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.